विषय-वस्तु

भाषण

त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई: वित्तीय स्थिरता फ्रेमवर्क का एक अनिवार्य तत्त्व
विरल. वी. आचार्य 1

स्वतंत्र विनियामकीय संस्थाओं का महत्त्व – केंद्रीय बैंक का मामला
विरल वी. आचार्य 21

क्रेडिट जोखिम और बैंक पूंजी विनियमन पर मेरे विचार
एन.एस. विश्वनाथन 33

लेख

वैश्वीकरण की ओर बढ़ते लोग : भारत का आवक विप्रेषण 45

भारत में क्षेत्रीय मुद्रास्फीति के निर्धारक तत्त्व 57

वर्तमान सांख्यिकी **67**

हाल के प्रकाशन **111**